'स्कूलों के हर्बल गार्डन से होगी आत्मनिर्भर भारत अभियान की शुरुआत'

माई सिटी रिपोर्टर

बेकार बोतलों और बाल्टियों में उगा सकते हैं सब्जियां : डॉ. नवतेज सिंह

चंडीगढ़। वाइल्डलाइफ वीक के समापन पर वीरवार को चंडीगढ़ प्रशासन के फॉरेस्ट एंड वाइल्डलाइफ विभाग के अधीन मेडिसिनल प्लांट बोर्ड की ओर से शहर की स्वयंसेवी संस्था युवसत्ता के सहयोग से सारंगपुर स्थित बॉटेनिकल गार्डन में ईको क्लब टीचर्स के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

प्रशासन के पर्यावरण निदेशक देवेंद्र दलाई ने कहा कि चंडीगढ़ के मेडिसिनल प्लांट बोर्ड की पहल पर शहर के लगभग सभी प्रमुख स्कूलों में हर्बल गार्डन स्थापित किए गए हैं। वहां से आत्मनिर्भर भारत अभियान की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्कूल और कालेजों के ईको क्लबों की सक्रिय भागीदारी के साथ 'ग्रो योर ओन हर्ब्स एंड फूड' अभियान शुरू किया गया है।

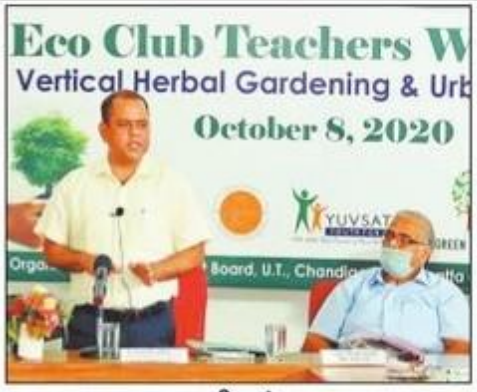

वाइल्डलाइफ वीक के समापन पर संबोधित करता वक्ता। -अमर उजाला

कार्यक्रम में सीनियर रिसोर्स पर्सन डॉ. मदन गुलाटी और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. नवतेज सिंह ने शिक्षकों को बताया कि किस तरह से बेकार बोतलों, कंटेनर्स, बाल्टियों में आसानी से फल, सब्जियां और जड़ी-बूटियां उगाई जा सकती हैं। लोग आसानी से पुदीना, धनिया, तुलसी, लैमनग्रास, करी पत्ता, अजवाइन, मिर्च, चांगेरी को घर में उगा सकते हैं। इन दिनों घर में अपनी मौसमी सब्जी और फल उगाने से यह सुनिश्चित होता है कि वे जैविक हैं और व्यावसायिक रूप से उगाई जाने वाली फसलों में इस्तेमाल किए जाने वाले सभी कीटनाशक इनमें शामिल नहीं हैं। इस मौके पर पंजाब कृषि विश्वविद्यालय की ओर से इंफॉरमेशन बुक्स, सीड किट सभी प्रतिभागियों को वितरित की गई। साथ ही उन्हें घर ले जाने के लिए तुलसी के पौधे दिए गए। शहर के 70 ईको क्लबों के टीचर्स ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

Amar Ujala - October 9, 2020

Jagmarg - October 9, 2020

आयोजन

बॉटेनिकल गार्डन में ईको क्लब टीचर्स के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन

'ग्रो योर ओन हर्ब्स एँड फूड कैंपेन' किया गया लांच

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। वाइल्डलाइफ वीक के समापन पर वीरवार को चंडीगढ़ प्रशासन के फॉरेस्ट एंड वाइल्डलाइफ विभाग के अधीन मेडीसिनल प्लांट बोर्ड की ओर से शहर की स्वयंसेवी संस्था युवसत्ता के सहयोग से सारंगपुर स्थित बॉटेनिकल गार्डन में ईको क्लब टीचर्स के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। अपने उद्घाटन संबोधन में चंडीगढ़ प्रशासन के पर्यावरण निदेशक देवेंद्र दलाई ने कहा कि चंडीगढ़ के की मेडीसिनल प्लांट्स बोर्ड की पहल पर शहर के लगभग सभी प्रमुख स्कूलों में हर्बल गार्डन स्थापित किए गए हैं। अब कोविड महामारी के चलते और भारत सरकार की ओर से लोगों को आत्मनिर्भर

बनाने के लिए दिए गए जोर को देखते हुए हम स्कूल और कालेजों के ईको क्लबों की सक्रिय भागीदारी के साथ 'ग्रो योर ओन हर्ब्स एँड फूड कैंपेन' शुरू करने की योजना बना रहे हैं। हम चाहते हैं कि युवा छात्र लोगों में बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं और शहर के हर घर में लोग नई वर्टिकल अर्बन कृषि तकनीकों को अपनाते हुए खुद हर्ब्स और खाने की चीजों को पैदा करें।

इसमें कम जगह में काम चल जाता है और पानी की खपत भी कम होती है और साथ में कम से कम लागत पर सब्जियों और फलों का जैविक उत्पादन होता है। कार्यक्रम में सीनियर रिसोर्स पर्सन्स डॉ. मदन गुलाटी, एमडी, आयुर्वेद, जिन्हें 40 साल की प्रैक्टिस का अनुभव है, और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के डॉ.नवतेज सिंह ने शिक्षकों को बताया कि किस तरह से बेकार बोतलों, कंटेनर्स, वाल्टियों में आसानी से फल, सब्जियां और जड़ी बूटियां उगाई जा सकती हैं।

डॉ.मदन गुलाटी ने कहा कि जड़ी बूटी उगाने के लिए सबसे आसान पौधों में से एक होती हैं। ज्यादातर जड़ी बूटियों को धूप की जरूरत होती है और उन्हें उगाने के लिए आपको अपने घर में ऐसी जगह की जरूरत होती है जहां धूप आती है। लोग आसानी से पुदीना, धनिया, तुलसी, लैमनग्रास, कड़ी पत्ता, अजवाइन, मिर्च, चांगेरी को घर में उगा सकते हैं। चांगेरी विटामिन सी की कमी, गठिया, डायरिया व अपच में उपयोगी आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है। डॉ.नवतेज सिंह ने कहा कि इन दिनों घर में अपनी मौसमी सब्जी और फल उगाने से यह सुनिश्चित होता है कि वे जैविक हैं और व्यावसायिक रूप से उगाई जाने वाली फसलों में इस्तेमाल किए जाने वाले सभी कीटनाशकों इनमें शामिल नहीं हैं। इस मौके पर पंजाब कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से इंफॉरमेशन बुक्स, सीड किट्स सभी प्रतिभागियों को वितरित की गई। साथ ही उन्हें घर ले जाने के लिए तुलसी के पौधे दिए गए। शहर के 70 ईको क्लबों के टीचर्स ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

Dainik Sawera - October 9, 2020

शहर में 'ग्रो योर ऑन हर्ब्स एंड फूड कैंपेन' लांच

चंडीगढ़, 8 अक्तूबर (राकेश): वाइल्ड लाइफ वीक के समापन पर वीरवार को चंडीगढ़ प्रशासन के फॉरैस्ट एंड वाइल्ड लाइफ विभाग के अधीन मैडिसिनल प्लांट बोर्ड की ओर से शहर की स्वयंसेवी संस्था युवसत्ता के सहयोग से सारंगपुर स्थित बॉटैनिकल गार्डन में ईको क्लब टीचर्स के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। प्रशासन के पर्यावरण निदेशक देबेंद्र दलई ने कहा कि चंडीगढ़ के मैडिसिनल प्लांट्स बोर्ड की पहल पर शहर के लगभग सभी प्रमुख स्कूलों में हर्बल गार्डन स्थापित किए गए हैं। अब कोविड महामारी के चलते और भारत सरकार की ओर से लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए दिए गए जोर को देखते हुए हम स्कूल और कालेजों के ईको क्लबों की सक्रिय भागीदारी के साथ 'ग्रो योर ओन हर्ब्स एंड फूड कैंपेन' शुरू करने की योजना बना रहे हैं। हम चाहते हैं कि युवा छात्र लोगों में बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं और शहर के हर घर में लोग नई वर्टिकल अर्बन कृषि तकनीकों को अपनाते हुए खुद हर्ब्स और खाने की चीजों को पैदा करें।

पर्यावरण निदेशक देबेंद्र दलई मैडिसिनल प्लांट्स बोर्ड की पहल के बारे में जानकारी देते हुए। (अनिल)

कार्यक्रम में सीनियर रिसोर्स पर्सन्स डॉ. मदन गुलाटी, एमडी, आयुर्वेद, जिन्हें 40 साल की प्रैक्टिस का अनुभव है, और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के डॉ.नवतेज सिंह ने शिक्षकों को बताया कि किस तरह से बेकार बोतलों, कंटेनर्स, बाल्टियों में आसानी से फल, सब्जियां और जड़ी बूटियां उगाई जा सकती हैं। शहर के 70 ईको क्लबों के टीचर्स ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

दैनिक सवेरा
Fri, 09 October 2020
epaper.dainiksaveratimes.org/c/55538255

Punjab Kesari - October 9, 2020

आत्मनिर्भर भारत अभियान : ईको क्लब टीचर्स के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम

'ग्रो योर ओन हर्ब्स एंड फूड कैंपेन' जल्द होगी शुरू

चंडीगढ़, 8 अक्तूबर (आशीष): वाइल्ड लाइफ वीक के समापन पर वीरवार को चंडीगढ़ प्रशासन के फॉरेस्ट एंड वाइल्डलाइफ विभाग के अधीन मेडीसिनल प्लांट बोर्ड की ओर से संस्था युवसत्ता के सहयोग से सारंगपुर स्थित बॉटेनिकल गार्डन में ईको क्लब टीचर्स के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम करवाया।

प्रशासन के पर्यावरण निदेशक देवेंद्र दलाई ने कहा कि मैडीसिनल प्लांट्स बोर्ड की पहल पर शहर के लगभग सभी प्रमुख स्कूलों में हर्बल गार्डन स्थापित किए गए हैं। अब कोविड महामारी के चलते और भारत सरकार की ओर से लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के

कार्यक्रम में 70 ईको क्लबों के टीचर्स ने हिस्सा लिया।

लिए दिए गए जोर को देखते स्कूल और कॉलेजों के ईको क्लबों की सक्रिय भागीदारी के साथ 'ग्रो योर ओन हर्ब्स एंड फूड कैंपेन' शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि युवा छात्र लोगों में बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं और शहर के हर घर में लोग नई वर्टिकल अर्बन कृषि तकनीकों को अपनाते हुए खुद हर्ब्स और खाने की चीजों को पैदा करें।

कार्यक्रम में सीनियर रिसोर्स पर्सन्स डॉ. मदन गुलाटी, एम.डी., आयुर्वेद और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. नवतेज सिंह ने शिक्षकों को बताया कि किस तरह से बेकार बोतलों, कंटेनर्स, बाल्टियों में आसानी से फल, सब्जियां और जड़ी बूटियां उगाई जा सकती हैं।

डॉ. मदन गुलाटी ने कहा कि जड़ी-बूटी उगाने के लिए सबसे आसान पौधों में से एक होती हैं। ज्यादातर जड़ी बूटियों को धूप की जरूरत होती है।

इस मौके पर पंजाब कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से इंफॉरमेशन बुक्स, सीड किट्स सभी प्रतिभागियों को वितरित की गई। साथ ही उन्हें घर ले जाने के लिए तुलसी के पौधे दिए गए। 70 ईको क्लबों के टीचर्स ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

The Tribune - October 9, 2020

Experts discuss growing veggies, herbs at home

TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, OCTOBER 8

The Medicinal Plants Board, UT, under the Department of Forests and Wildlife, in collaboration with NGO Yuvsatta, organised a training programme for eco-club teachers at Botanical Garden, Sarangpur, today. The programme was to mark the end of the ongoing Wildlife Week.

Debendra Dalai, Chief Conservator of Forests, said with the initiatives of the board, herbal gardens had been set up in almost all prominent schools of the city. "We now plan to start 'grow your own herbs and food campaign' with active participation of eco clubs in schools and colleges," he said.

Senior resource persons — Dr Madan Gulati, MD, Ayurveda, and Dr Navtej Singh of Punjab Agricultural University — talked about herbs, fruits and vegetables that could be easily grown at homes.

Dr Gulati stressed that herbs are among the easiest plants to grow. "Most herbs love the sun, so all you need to get started is a nice, sunny place in your house," he said.

Approximately, teachers from around 70 eco clubs of the city participated in the programme.

Dainik Tribune - October 9, 2020

'ग्रो योर ओन हर्ब्स एंड फूड कैंपेन'

70 ईको क्लबों के टीचर्स को दी ट्रेनिंग

चंडीगढ़, 8 अक्तूबर (ट्रिब्यून)

वन्य प्राणी सप्ताह के समापन पर आज चंडीगढ़ प्रशासन के फॉरेस्ट एंड वाइल्ड लाइफ विभाग के अधीन मेडिसिनल प्लांट बोर्ड की ओर से शहर की स्वयंसेवी संस्था युवसत्ता के सहयोग से सारंगपुर स्थित बॉटेनिकल गार्डन में ईको क्लब टीचर्स के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। शहर के 70 ईको क्लबों के टीचर्स ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।प्रशासन के पर्यावरण निदेशक देबेंद्र दलई ने कहा कि चंडीगढ़ के मेडिसिनल प्लांट्स बोर्ड की पहल पर शहर के लगभग सभी प्रमुख स्कूलों में हर्बल गार्डन स्थापित किए गए हैं। अब कोविड महामारी के चलते और भारत सरकार की ओर से लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए दिए गए जोर को देखते हुए हम स्कूल और कालेजों के ईको क्लबों की सक्रिय भागीदारी के साथ 'ग्रो योर ओन हर्ब्स एँड फूड कैंपेन' शुरू करने की योजना बना रहे हैं। हम चाहते हैं कि युवा छात्र लोगों में बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं और शहर के हर घर में लोग नई वर्टिकल अर्बन कृषि तकनीकों को अपनाते हुए खुद हर्ब्स और खाने की चीजों को पैदा करें।

Dainik Bhasker - October 9, 2020

अपने घर में उगाएं सब्जियां, प्रशासन ने शुरू किया कैंपेन

चंडीगढ़| शहर में लोग अपने घरों में हर्ब्स और ऑर्गेनिक सब्जियां उगा सकें इसके लिए मेडिसिनल प्लांट्स बोर्ड चंडीगढ़ प्रशासन की तरफ से स्पेशल कैंपेन वीरवार को शुरू किया गया। सारंगपुर स्थित बॉटेनिकल गार्डन में स्कूलों और कॉलेजों के इको क्लब मेंबर्स को ट्रेनिंग भी दी गई। चीफ कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट देबेंद्र दलाई ने कहा कि कैंपेन के जरिए लोगों को घरों में वर्टिकल अर्बन फार्मिंग के जरिए कुछ ना कुछ जरूर उगाने को लेकर कोशिश रहेगी। इसमें स्कूल के और कॉलेजों के स्टूडेंट्स को साथ जोड़ा जाएगा ताकि वह आगे अपने अपने घरों में और आस-पड़ोस में भी इसको लेकर लोगों को जागरूक कर सकें। बॉटेनिकल गार्डन में आए एक्सपर्ट्स ने बताया कि लोग किस तरह से कम जगह, कम पानी और कम खर्चे में पौधे अपने घरों में लगा सकते हैं। इसमें पुदीना, हरी मिर्च, कड़ी पत्ता, लेमन ग्रास, तुलसी, धनिया और हरी सब्जियों को लोग गमले या कटी हुई बोतल में उगा सकते हैं।